

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या 20 आवेदन की तिथि 20/1/8
 चूंकि श्री Amey K.R. Singh 8115

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निवधित संव्यवहारों और अवभारों का सावधान प्रमाण-पत्र दिया जाये।
 (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में वही मैं
 और उससे सम्बद्ध अनुक्रमिकियों में ता० 1982 से ता० will dated
 तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला

पता है कि

अवभार मुक्त

क्र०सं०	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० निर्देश			
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
	मायग- शेकरपुरा P.L. Shastri Nagar PS No 9 रजिस्ट्रार 5255, 5262 प्लॉट नं० 320, 319 खाता नं० 213, 331 Area 38 Acre.								

1. दस्तावेज के अनुसार निबंधन दर्ज करें।
 2. बंधक-पत्र की दिशा व्याज की कर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। दस्तावेज को उसके बारे में उल्लेख करें।
 3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।
- मे, यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवधारों को छांड उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवधार का पता नहीं चला है।

(हस्ताक्षर) *M. Raga*
 (पदनाम) *LD*

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया :

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर) *Asit*
 (पदनाम)
 कार्यालय *paper.*
 तारीख:



मुख्य एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

टिप्पणी :- इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवधार दिखाये गये हैं वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो दैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शन्स) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

2. निबंधन अधिनियम की धारा-57 के अधीन जो व्यक्ति (बाहरी) और अनुक्रमणियों (इन्डेन्स) की प्रतियों देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवधारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियों उनके पास सामने रख दी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिए कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद दूँदे गये संव्यवहारों और अवधारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा दूँदे गये ऐसे संव्यवहारों और अवधारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक, 8182

दिनांक 14-9-18

ज्ञाप संख्या

आवेदक श्री

Anuj K. Singh

का ऋणभार प्रमाण-पत्र द्वारा

manoj S.D.L

paper branch

का उनके पत्र संख्या

दिनांक 14/9/18

के प्रसंग में अप्रसारित की जाती है।

manoj
 14.9.2018
 निबंधन पदाधिकारी
paper.